जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

05 मई 2020

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया के संस्कृत विभाग ने आयोजित किया 'परीक्षाएं और तनाव-प्रबन्धन' पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार

कोविड-19 वैश्विक महामारी से छाए तनाव को दूर करने के तरीकों पर विचार करने के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्कृत विभाग ने सोमवार को 'गूगल मीट' पर 'परीक्षाएं और तनाव-प्रबन्धन' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार का सफल आयोजन किया। विश्वविद्यालय की कुलपति और वेबिनार की मुख्य अतिथि, प्रो नजमा अख़्तर ने इसका उद्घाटन करते हुए संस्कृत विभाग की इस पहल का स्वागत किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार में जाने माने शिक्षाविदों ने अपने विचार रखे।

प्रो अख़्तर ने बताया कि जामिया ने पिछले दिनों चार सत्रों के ज़रिए आठ सौ अध्यापको को 'फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम' के ज़रिए ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया। इससे लाकडाउन के हालात में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं आनलाइन शिक्षा पाकर लाभान्वित हो रहे हैं। कुलपति ने संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. गिरीश चन्द्र पन्त के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में इस प्रकार का अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार संस्कृत विभाग ने आयोजित किया है।
प्रो. पन्त ने कहा कि विश्व भर में फैले कोरोना वायरस का सार्थक प्रयासों से मुकाबला करना आवश्यक है । उन्होंने कहा कि जामिया के छात्र-छात्राओं ने घर पर रहकर ही अत्यन्त मनोबल और एकाग्रता से ऑनलाइन अध्ययन के माध्यम से सिद्ध कर दिया है कि उन्नत समाज निर्माण में शिक्षा की भूमिका सर्वोपरि है।

वेबिनार में 'राष्ट्रपति सम्मान प्रमाण पत्र' से सम्मानित, संस्कृत की प्रख्यात विद्वान, प्रो. दीप्ति त्रिपाठी, स्वीडन के उप्साला विश्वविद्यालय के भाषा शास्त्र के व्याख्याता प्रो. हेंज वर्नर वेसलर ,महात्मा गाँधी अन्तर्रष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व-कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र, दिल्ली विश्वविद्यालय की संस्कृत अध्यापिका डॉ अंजू सेठ, एमिटी विश्वविद्यालय के संस्कृत अध्यापक डॉ. श्रुति कान्त पाण्डेय, डॉ. लाला शङ्कर गयावाल, डॉ. राजवीर शास्त्री, डॉ. विश्वजीत, डॉ पी. सी. यादव आदि ने अपने विचार रखे।

जामिया के 'मेंटल हेल्थ और काउंसलिंग समिति' के अध्यक्ष प्रो. एस. एम. साजिद इस आयोजन के विशिष्ठ अतिथि थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के 'भाषा और मानवीकी संकाय' के अध्यक्ष प्रो. एम. असदुद्दीन साहब ने की।

इस वेबिनार से जुड़ने के लिए 600 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया जिसमें से 250 शोध छात्रों और विद्वानों ने 'गूगल मीट' के माध्यम से हिस्सा लिया। यह वेबिनर 'फेसबुक-लाइव' के माध्यम से भी देखा गया । इसका संचालन डॉ अभय कुमार शाण्डिल्य ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ धनंजय मणि त्रिपाठी ने किया ।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक